नरवाना में कन्या भ्रूण हत्या विरोधी जन-सभा

जीन्द में आयोजित आर्य महासम्मेलन में की गई घोषणा को क्रियान्वित करते हुए 2 फरवरी 2006 को नरवाना में कन्या भ्रूण हत्या विरोधी जन-सभा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग पच्चीस हजार लोगों की उपस्थिति आंकी गई। इस महती सभा का आयोजन चौ. छोटूराम विचार मंच से जुड़े सक्रिय समाजसेवी चौ. ओमप्रकाश नैन ने किया था वस्तुतः इसके पीछे मूल प्रेरणा एवं शक्ति चौ. वीरेन्द्रसिंह वितमनत्री की ही थी। इस सभा को हरियाणा के अनेक राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक और किसान नेताओं ने सम्बोधित कर कन्या भ्रूण हत्या की जमकर आलोचना की। यह सभा इस बात की साक्षी थी कि हरियाणा की सरकार, प्रशासन, धार्मिक व सामाजिक संस्थाएँ, किसान संगठन, राजनीतिक दल, ग्राम पंचायतें, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएँ, बुद्धिजीवी वर्ग से जुड़े प्राध्यापक, डाक्टर, वकील, पत्रकार भी कन्या भ्रूण हत्या को धार्मिक, नैतिक, सामाजिक व राष्ट्रीय अपराध मानने लगे थे।

इस जन सभा को स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी गोरक्षानन्द जी, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्द्र सिंह, हरियाणा के वित्त मंत्री चौ. वीरेन्द्र सिंह, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता, हरियाणा के ऊर्जा मन्त्री श्री विनोद शर्मा, सांसद जयप्रकाश, पूर्व सांसद मनिराम गोदारा, भारतीय किसान यूनियन की हरियाणा शाखा के प्रधान चौ. घासीराम नैन, चौ. छोटूराम विचार मंच के प्रदेशाध्यक्ष खुर्शीद अहमद और अमर शहीद भगत सिंह के भतीजे किरण जीत सिन्धू आदि ने सम्बोधित किया।

नरवाना की इस विशाल जन-सभा से उत्साहित पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्द्र सिंह ने कहा कि यदि पंजाब में भी ऐसी चेतना यात्रा निकाली जाती है तो उसका भव्य स्वागत किया जायेगा और मेरा डंडा आर्य समाज के साथ चल कर उन लोगों की खबर लेगा जो भ्रूण हत्या के अपराध में शामिल पाये जायेंगे। बाद में उन्होंने चेतना यात्रा को हरी झंडी दिखा कर आगे के लिए रवाना किया।

कन्या भ्रूण हत्या विरोधी जन-चेतना को सफल बनाने के लिये चौ वीरेन्द्र सिंह ने दो लाख और श्री विनोद शर्मा ने पाँच लाख रुपये देने की घोषणा भी इस अवसर पर की।

नरवाणा से चली चेतना यात्रा का मार्ग-विवरण इस प्रकार रहा। 2 फरवरी रात का पड़ाव ग्राम बिठमड़ा में था। ठहरने की व्यवस्था आर्य आरोग्य आश्रम में रखी गई जिसका उद्घाटन आज ही स्वामी इन्द्रवेश जी ने किया था। गाँव की चौपाल में सभा आयोजित की गई। 3 फरवरी को प्रातः यज्ञोपरांत किसान नेता श्री घासीराम नैन एवं स्वामी इन्द्रवेश जी ने उपस्थित जन-समूह से कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध संकल्प कराया। 3 फरवरी को काफिला टोहाना शहर में प्रविष्ट हुआ। पूरे बाजार से रैली निकालने के पश्चात् मेन चौराहे पर जनसभा आयोजित की गई जिसे सिख नेता सरदार दयासिंह, जगवीर सिंह, स्वामी इन्द्रवेश और छात्रा अनिता गुप्ता ने सम्बोधित किया। स्थानीय आर्य समाज के मंत्री डॉ आर.एन. ढींगडा, कोषाध्यक्ष जगदीशचन्द्र धवन एवं स्कूल मैनेजर श्री ओमप्रकाश ने समस्त व्यवस्था सुन्दर ढंग से की हुई थी। यहां जलपान कर काफिला आगे बढ़ा और सिरसा पहुँचा जहाँ सैंकड़ों लोगों ने स्वागत किया। राज्यसभा सदस्य एवं इण्डियन नेशनल लोकदल के महामन्त्री श्री अजय चौटाला भी आगवानी को पहुँचे हुए थे। शहर में प्रवेश के लिए उन्होंने ही हरी झंडी दी। सिरसा के मुख्य बाजारों से होते हुए काफिला तारा बाबा कुटिया के प्रांगण में पहुँचा जहां श्री गोविन्द काण्डा व श्री गोपाल काण्डा ने स्वागत किया। सिरसा से यात्रा फतेहबाद पहुँची जहां सैंकड़ों स्त्री-पुरुषों व गुरुकुल मताना डिग्गी के छात्रों ने स्वागत किया। बाजारों से रैली निकाली व जवाहर चौक पर सभा हुई।

4 फरवरी को गुरुकुल मताना डिग्गी में यज्ञ व प्रातःराश के पश्चात् यात्रा राजकीय उच्च विद्यालय तोशाम, बीरण, बापोडा होते हुए भिवानी पहुँची जहां राजकीय महाविद्यालय और आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रोग्राम रहा। तत्पश्चात् नगर के मुख्य बाजारों में रैली निकाली। 5 फरवरी को प्रातः 9 बजे सभा का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता

यहाँ के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री जगदीश सर्राफ ने की। सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, सत्यव्रत सामवेदी, महेन्द्र शास्त्री, श्रीमती निर्मला सर्राफ, रामफल पंवार (अध्यक्ष हरियाणा राजपूत सभा), नरेश तोमर (मन्त्री प्रदेश युवा कांग्रेस), प्रा. आर.एस. गोलन, रामरिख आर्य, सहदेव बेधड़क आदि ने विचार रखे। मंच संचालन श्री दयानन्द आर्य ने किया। भिवानी से चल कर बामला की बड़ी चौपाल के सामने विशाल मैदान में सभा हुई। स्त्री-पुरुषों ने स्वामी इन्द्रवेश जी का भव्य स्वागत किया। बामला के बाद यात्रा ग्राम मालपोस पहुँची जहां लगभग 25 गांवों के हजारों, खिलाड़ी व युवक कबड्डी प्रतियोगिता के कारण एकत्र थे। सबने स्वामी जी का नारेबाजी व करतल ध्वनि से स्वागत किया। सभा का संचालन महेन्द्र शास्त्री व उद्‌बोधन स्वामी इन्द्रवेश जी का हुआ। अगला कार्यक्रम बोन्दकला के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में था। यहां से यात्रा सांजखास पहुँची जहां शहीद बगडावत मेमोरियल के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भोजनोपरांत मिश्री ट्रस्ट रावलधी में संक्षिप्त कार्यक्रम कर यात्रा रोज गार्डन चरखीदादरी पहुँची। यहां स्वामी इन्द्रवेश जी ने सभा को सम्बोधित किया। दादरी से बादड़ा पहुँचे जहां आयोजित सभा को स्वामी इन्द्रवेश जी व श्री सत्यव्रत सामवेदी ने सम्बोधित किया। यहां से चल कर यात्रा कुछ समय के लिए कन्या गुरुकुल पचगांव (भिवानी) में रुकी जहां स्वामी जी का प्रवचन और आचार्या सुषमा जी द्वारा स्वामी जी का अभिनन्दन हुआ। सायं लगभग 7 बजे जुई पहुँचे। यहां हजारों स्त्री-पुरुष और नवयवुकों ने जोरदार स्वागत किया। फूलमालाओं से स्वामी जी को लाद दिया गया। यहां युवा एकता मंच, राजकीय उच्च विद्यालय, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, ताराचन्द विद्या दर्पण, ब्रह्म कुमारी संस्थान आदि ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जुई से कुडल पहुँचे तो सैंकड़ों छात्रों ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर कवि अनिल पृथ्वी पुत्र के नेतृत्व में स्वागत किया। यहां से डिगावां पहुँचे तो राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शिव माध्यमिक विद्यालय तथा आर्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के हजारों छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। यहां से लोहारू पहुँचे तो विवकानन्द सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, हिन्दू विद्या विहार, ठुकराल पब्लिक स्कूल, ज्ञानकुंज सी.सैं. स्कूल के हजारों विद्यार्थियों ने स्वागत किया। यहां के महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय में सभा आयोजित की गई। लोहारू से सतनाली पहुँचने पर महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल में स्वागत किया गया। किसान नेता रामपाल शास्त्री के नेतृत्व में सैंकड़ों प्रतिष्ठित लोगों ने सत्यव्रत सामवेदी, जगवीर सिंह, रामधारी शास्त्री, विरजानन्द, महेन्द्र सिंह शास्त्री का फूलमालाओं से स्वागत किया। आगे ग्राम सुरेहती में जनसभा के पश्चात् भोजन की व्यवस्था की गई थी। सायं लगभग 5.30 बजे यात्रा पंचायत घर नारनौल के सामने पहुँची जहाँ श्री रामनिवास के नेतृत्व में अनेक गणमान्य लोगों ने यात्रियों का स्वागत किया। यहां प्रो. कैलाशनाथ सिंह भी पहुँच गये थे। यहां आर्य समाज खरकड़ी मोहल्ला में सभा हुई जिसमें सर्वश्री प्रो. कैलाशनाथ सिंह, सत्यव्रत सामवेदी, रामधारी शास्त्री, श्रीमती पुष्पा शास्त्री, सहदेव बेधड़क ने विचार रखे और स्वामी इन्द्रवेश जी का उद्‌बोधन हुआ। 7 फरवरी को गाँव बाछोद में मा. धर्मेन्द्र ने, अटेली में जितेन्द्र यादव ने, गणियार में आचार्या कलावती ने, रेवाड़ी में शशि यादव ने, छोटी बीकानेर में जयप्रकाश आर्य ने सभाएँ आयोजित कीं। इन सभी सभाओं को प्रो. कैलाशनाथ सिंह, स्वामी इन्द्रवेश जी के अतिरिक्त प्रो. श्योताजसिंह, स्नहे सक्सेना आदि ने भी सम्बोधित किया।

8 फरवरी को प्रातः यज्ञोपरांत यात्रा आगे बढ़ी और धारूहेडा, सिंघरावली, तावडू होते हुए सोहना पहुँची जहां अनाज मण्डी में जनसभा हुई। सभा से पहले बजारों में जुलूस भी निकाला गया।

9 फरवरी की यात्रा में स्वामी अग्निवश जी और रेव. वाल्सन थम्पू जी भी शामिल हो गये। यात्रा सिलानी, हाजीपुर छत्तीर, धुधेरा होते हुए 12.00 बजे पलवल पहुँची जहां शानदार सभा का आयोजन किया गया था। आयोजकों में प्रमुख संस्थाएँ थीं लायन्स क्लब, सिटी हार्ट। संचालन संजीव मंगला एडवोकेट ने किया। श्री शिवराम विद्यावाचस्पति पूरे कार्यक्रम का संचालन कर रहे थे। पलवल सभा को स्वामी इन्द्रवेश जी, रेव. वाल्सन थम्पू, मौ. मोहम्मद अयूब, महंत कामता दास, महावीर प्रसाद जैन, सुभाष कतियाल पूर्वमंत्री, विद्यायक कर्णलाल, डॉ विजाता आर्या, शैलेन्द्र सिंगला, रणवीर कुमार, पी. सिंह एडवोकेट (अध्यक्ष बार काउंसिल), त्रिलोक चन्द गोयल तथा स्वामी अग्निवेश जी ने सम्बोधित किया। महाशय खेम

सिंह व सहदेव बेधड़क के भजन हुए। स्वामी विजयानन्द जी, स्वामी सिंह मुनि जी, स्वामी आत्मानन्द जी भी यहां उपस्थित थे। पलवल से यात्रा आगे बढ़ी और गुरुकुल गदपुरी होते हुए पंजाबी धर्मशाला बल्लभगढ़ पहुँची जहाँ उसका भारी स्वागत हुआ। जिला प्रचार मण्डल के प्रधान श्री राजेन्द्र सिंह बीसला पूर्व विधायक के नेतृत्व में हजारों लोग स्वागत को तैयार खड़े थे। यहां आयोजित सभा का संयोजन डॉ. नरेन्द्र आर्य ने तथा अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह बीसला ने की। सभा को स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, रेव. वाल्सन थम्पू जी ने सम्बोधित किया। बल्लभगढ़ से आगे वीर योग आश्रम, मिर्जापुर में जलपान व सभा का आयोजन था जो आचार्य जयवीर के पुरुषार्थ से बेहद सफल रहा। सैंकड़ों ग्रामीण महिलाएँ उत्साह से भाग लेती मिलीं। रात्रि सभा सैक्टर-19 फरीदाबाद में रखी गई। यहां स्वामी अग्निवेश जी का विचारोत्तेजक भाषण हुआ और सहदेव बेधड़क का प्रभावशाली प्रचार।

10 फरवरी को फरीदाबाद से प्रस्थान कर पाली व मांगर जोन स्थित पत्थर खदानों एवं क्रेसरों में काम करने वाले मजदूरों ने बन्धुआ मुक्ति मोर्चा के बैनर तले जोरदार स्वागत किया। अगला कार्यक्रम श्री महेन्द्र सिंह शास्त्री ने वजीराबाद में रखा था। अगला कार्यक्रम गुडगांव में कमला नेहरू पार्क में रखा गया था जिसमें हजारों छात्र-छात्राओं, विभिन्न धर्मों व संगठनों के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। यहां मंच संचालन सरदार दयासिंह ने किया तथा गुरु सिंह गुरुद्वारा के प्रधान सरदार साधु सिंह, उपप्रधान सरदार संतोख सिंह साहनी आदि ने स्वामी अग्निवेश जी व अन्य यात्रियों को सरोपे भेंट कर स्वागत किया। सभा को सर्वश्री डॉ. रामप्रकाश (कार्यकारी प्रधान हरियाणा कांग्रेस), स्थानीय विधायक धर्मवीर गाबा, बालकिशन खत्री (मंत्री सनातन धर्म सभा), रेव. सुनील कुमार, मौ. मशनून कासमी, रविन्द्र कटारिया (चेयरमैन एम. सी.डी.), सुनीता सहरावत (अध्यक्ष, जिला महिला कांग्रेस), प्रो. शेर सिंह, सरदार अमरीक सिंह व स्वामी अग्निवेश जी ने सम्बोधित किया। यहां से यात्रा झुण्डसराय, जमालपुर चौक, पटौदी, हेलीमण्डी, जाटोली होते हुए सायं 7 बजे कोसली पहुँची जहां डी.ए.वी. गर्ल्स कालेज एवं मठ मन्दिर के सामने सभा का आयोजन हुआ।

11 फरवरी को कोसली से आगे बढ़ते हुए यात्रा कासनी, झज्जर पहुँची। शहर में जुलूस निकालने के बाद देशवाल फूड प्वाइन्ट के सामने सभा आयाजित हुई। मंच संचालन भाई कर्ण सिंह ने किया। सभा को सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, रामधारी शास्त्री, विरजानन्द, सूबेसिंह, सोना आर्या ने सम्बोधित किया। यात्रा झज्जर से बादली, बहादुरगढ़ पहुँची जहां सभा का आयोजन किया गया। सभा को सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी देवेन्द्रानन्द गिरी महामण्डलेश्वर, स्वामी वेदानन्द, वेदान्त आश्रम, आचार्या राजन, आचार्या विद्यावती (कन्या गुरुकुल लोवाकलां), पूर्व विद्यायक चौ. उदयसिंह दलाल, के.के. मलिक (सचिव कांग्रेस कमेटी), ओम अहलावत, राजपाल आर्य, श्रीमती रामदुलारी बंसल आदि ने सम्बोधित किया। स्वामी धर्ममुनि जी दुग्धाहारी ने इस सभा की अध्यक्षता की। श्री जगदीशराय कौशिक एडवोकेट व उनकी सहधर्मिणी श्रीमती कान्ता कौशिक (सचिव प्रांतीय महिला कांग्रेस) ने यहाँ की सारी व्यवस्था संभाली थी।

12 फरवरी को ग्राम सोहटी में राजकीय उच्च विद्यालय में शानदार सभा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात यात्रा सिसाना पहुँची और वहां से फरमाना जहां आठ विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने आगे-आगे रैली निकाली व नारे लगाये। बस स्टैण्ड पर विशाल सभा का आयोजन हुआ जिसमें सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, हाजी हाफिज शहाबुद्दीन, महेन्द्र सिंह भटगांव, जगवीर सिंह आदि ने विचार रखे। सभा का संयोजन प्रदीप शास्त्री ने किया। यहां से भैंसवाल होते हुए यात्रा मुण्डलाना पहुँची जहां विशाल सभा को सर्वश्री स्वामी इन्द्रवेश जी, जगवीर सिंह, महेन्द्र सिंह शास्त्री, जयसिंह ठेकेदार, राममोहनराय एडवोकेट, विरजानन्द, कु. प्रवेश आर्या, प्रिं. आजाद सिंह बांगड़, शमशेर सिंह गोगी, अनीता एडवोकेट आदि ने विचार रखे। यात्रा का रात्रि पड़ाव अग्रवाल सत्संग भवन, गोहाना में रहा जहां स्वामी इन्द्रवेश जी व अन्य प्रमुख पदाधिकारियों के साथ चौ. वीरेन्द्र सिंह की बैठक भी हुई।

13 फरवरी को सत्संग भवन गोहाना में प्रातः यज्ञ एवं सभा का आयोजन किया गया जिसमें स्वामी इन्द्रवेश जी ने विचार रखे। यहां से रोहतक की ओर प्रस्थान करते हुए जसिया गांव में रोहतक के सी.एम.ओ. डॉ. मेहरा व उनके

स्टाफ ने जोरदार स्वागत किया। गांव के सरपंच ने स्वामी जी का माल्यार्पण से स्वागत किया। यात्रा दोपहर 12 बजे रोहतक के छोटूराम पार्क में पहुँची जहां संत रविदास जयंती के अवसर पर प्रान्तीय स्तर की जनसभा आयोजित की गई थी। स्वामी इन्द्रवेश जी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा को सर्वश्री स्वामी अग्निवेश जी, बहन करतार देवी (स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा), प्रो. शेर सिंह, स्वामी देवेन्द्रानन्द गिरी महामण्डलेश्वर, श्रीमती प्रेमलता (धर्मपत्नी चौ. वीरेन्द्र सिंह), चौ. वीरेन्द्र सिंह (वित्त मंत्री, हरियाणा), हाजी हाफिज शहाबुद्दीन, (अध्यक्ष, पयामें इंसान), श्रीमती कान्ता कौशिक, सोना आर्या (सी.डी.पी.ओ. झज्जर), प्रो. श्योताज सिंह, विरजानन्द, महेन्द्र सिंह शास्त्री, कुमारी प्रवेश आर्या, दयावती आर्या, धर्मवीर दहिया व संयोजक श्री रामधारी शास्त्री ने सम्बोधित किया।

इस पूरे यात्रा-क्रम को सफल बनाने में मुख्यतया सर्वश्री रामधारी शास्त्री, महेन्द्र सिंह शास्त्री, प्रो. श्योताज सिंह, शिवराम विद्यावाचस्पति, प्रिं. आजाद सिंह, डॉ. भूप सिंह, जगदीश सींवर, रामनिवास तथा मा० संतराम आर्य की विशेष भूमिका रही। विविध पड़ावों पर आवास, भोजन, सभा, रैली, स्वागत के कार्यक्रम को जिन स्थानीय समाजसेवियों ने सफल बनाया उनकी सूची काफी विस्तृत है। इस विस्तृत जानकारी का विवरण 'राजधर्म' (मार्च 2006) में उपलब्ध है।